

(b) All possible measures have been taken against such movements and activities of Naga hostiles.

P&T Quarters in Palghat (Kerala)

2597. **Shri P. Kunhan:** Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) the amount allotted for the construction of quarters for P&T Employees in Palghat District, Kerala during 1964-65 and 1965-66; and

(b) the number of quarters constructed and the amount spent?

The Minister of State in the Department of Parliamentary Affairs and Communications (Shri Jagannatha Rao): (a) No specific amount was allotted during these years for construction of quarters in Palghat District.

(b) No quarters were constructed and no amount was spent.

दिल्ली में प्राथमिक स्कूलों के अध्यापकों की नियुक्ति

2598. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री श्रीकार लाल बेरवा :
श्री प्रिय गुप्त :
श्री बड़े :
श्री हुकम चन्द कछराय :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली नगरपालिका ने प्राथमिक स्कूलों के अध्यापकों के पदों पर नियुक्तियाँ, इसी प्रयोजन के लिये गत वर्ष जून में हुई परीक्षा का परिणाम घोषित किये बिना ही कर दी हैं ; और

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) और (ख). नई दिल्ली नगरपालिका से अपेक्षित सूचना एकत्रित की जा रही है

और यथासमय सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

दिल्ली के स्कूलों में स्थान की कमी

2599. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछराय :
श्री बड़े :
श्री श्रीकार लाल बेरवा :
श्री प्रिय गुप्त :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त मिडिल स्कूलों में स्थान की बड़ी कमी है तथा प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या 40 होती है ; और

(ख) यदि हाँ, तो यह सुनिश्चित करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है कि इन स्कूलों में किसी भी कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या 25-30 से अधिक न हो ।

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) और (ख). दिल्ली प्रशासन और दिल्ली नगर निगम से अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है और यथासमय सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

हिन्दी अतिस्टेंटों के लिये परीक्षा

2600. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछराय :
श्री बड़े :
श्री प्रिय गुप्त :
श्री श्रीकार लाल बेरवा :

क्या गृहकार्य मंत्री 11 मई, 1966 के अतिरिक्त प्रश्न संख्या 5353 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी अतिस्टेंटों के पदों के अतिरिक्त संघ लोक सेवा आयोग ने किन्-किन पदों के लिये परीक्षाएँ कीं ; और

(ख) उनके मंत्रालय द्वारा हिन्दी असिस्टेंटों के पदों पर नियुक्तियां करने के क्या कारण हैं जबकि इन पदों को नियमित केन्द्रीय सेवा में शामिल नहीं किया गया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) सम्भवतः अन्य ऐसे असंवर्गीय पदों की ओर संकेत है जिनके लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा ली गई थी। यदि ऐसा है तो, उत्तर यह है कि संघ लोक सेवा आयोग द्वारा हिन्दी आशुलिपिकों के असंवर्गीय पदों के लिये भी एक परीक्षा ली गई थी।

(ख) गृह मंत्रालय का सम्बन्ध केन्द्रीय सचिवालय के सभी पदों में भर्तियों के लिये सामान्य सिद्धान्तों से है, फिर चाहे वे नियमित केन्द्रीय सेवाओं में सम्मिलित हों अथवा नहीं। तदनुसार ही, हिन्दी सहायकों पदों पर भर्तियों के लिये एक से स्तर की व्यवस्था करने की दृष्टि से 1959 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा एक परीक्षा कराने का निर्णय किया गया था।

Indian Postal Orders

2601. **Shri Jedhe:** Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Postal Order for the highest denomination is rupees ten only;

(b) whether it is also a fact that the U.P.S.C. and various Universities and Public Service Commissions accept only Indian Postal Orders for payment of their fees for which public have to purchase many postal orders of rupees ten only;

(c) if so, whether in the interest of economy of paper, Government propose to issue I.P.Os. of the denominations of Rs. 50 and Rs. 25; and

(d) if so, when the I.P.Os. of higher denominations are likely to be available in the Post Offices?

The Minister of State in the Department of Parliamentary Affairs and Communications (Shri Jaganatha Rao): (a) Yes, Sir, Under Section 45 of the I.P.O. Act 1898, the Central Government is not empowered to issue I.P.Os. for denomination beyond Rs. 10.

(b) When fees for more than Rs. 10 have to be paid this is done by purchasing suitable number of I.P.Os. of different denominations to make up the requisite amount.

(c) and (d). The proposal is under consideration. Amendment of the I.P.O. Act is necessary. It is not possible to indicate definitely the time by which this will be introduced.

Indian Labour Conference

2602. **Shri Madhu Limaye:**
Shrimati Renu Chakravartty:
Shri Bade:
Shri D. C. Sharma:
Shri Manoharan:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Mohammed Koya:
Shri Alvares:
Shri Maurya:
Shri Tridib Kumar Chaudhuri:
Shri A. V. Raghavan:
Shri Tulsidas Jadhav:
Dr. U. Misra:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Prabhat Kar:
Shri P. C. Borooah:
Shri Ram Harkh Yadav:

Will the Minister of Labour, Employment and Rehabilitation be pleased to state:

(a) the conclusions of the recently held Indian Labour Conference;

(b) whether the Industrial Truce Resolution has been repudiated by the Trade Union Organisation because of Government's failure to hold down prices, curb profits and black-marketing; and

(c) if so, the steps taken to save the Industrial Truce?